विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

www.vidarbhswabhiman.com 9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 20 से 26 मार्च 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

ज़ीवन में कभी अगर सच्चाई और झूठ के बीच तकरार की स्थिति पैदा हो तो निश्चित तौर पर सच्चाई का साथ देने का विचार करना और उस पर चलने का प्रयास करना. जीवन में दिक्कत होगी लेकिन इतना विश्श्वा रखना कि झूठ तथा मक्कारी की उम्र कभी भी बहुत अधिक नहीं होती है.

पेज नंबर 2
दिल टूटा कभी नहीं जुड़ पाता है,शिवसेना की हालत

पेज नं.3
श्री सरयूपारिण ब्राह्मण सभा का होली मिलन रहा शानदार

पेज क्र.6
सेवाभावी नेता हैं पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटील,लाखों छात्रों का संवार रहे भाग्य

पेज नं. 8
विनम्र आदरांजलि डॉ.रामगोपाल तापडिया जैसा सम्मान बहुत कम लोगों के नसीब में होता है

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

धैर्य की जीत,सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष से लौटी

नहीं दिखा थकान, दिखी जोश से ओतप्रोत, 45 दिनों तक रहेंगी डाक्टरों की निगरानी,फिर परिवार से मिलन

विदर्भ स्वाभिमान,19 मार्च

वाशिंग्टन-नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने सहयोगी बुच विल्मोर के साथ 9 महीने बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौट आईं. उनकी वापसी के साथ ही धैर्य और संयम जीवन में कितना जरूरी होता है, इसके बलबूते क्या कुछ हासिल किया जा सकता है, यह भी साबित हो गया है. उनकी वापसी स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान के जरिए हुई. इस अंतरिक्ष यान के जरिए 17 घंटे की यात्रा करने के बाद अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर पृथ्वी पर लौटे. ड्रैगन अंतरिक्ष यान के कैप्सूल ने भारतीय समयानुसार 19 मार्च की सुबह 3.27 बजे फ्लोरिडा

के तट के पास समुद्र में स्पलैशडाउन किया. इसके बाद अंतरिक्ष यान में सवार सभी यात्रियों के सेहत की जांच के लिए आगे की प्रक्रिया शुरू हुई. नासा ने अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी का सीधा प्रसारण किया है और इसके बारे में अपडेट भी प्रदान कर रहा है. ये दोनों अंतरिक्ष यात्री जून 2024 से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर थे. दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीनों तक रुकना पड़ा था. सुनीता विलियम्स को ला रहा अंतरिक्ष यान तड़के ही अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से अनडॉक हो गया था.एमपी हाउस ने सुनीता विलियम्स के रिकॉर्ड-ब्रेकिंग अंतरिक्ष मिशन की सराहना की.मध्य प्रदेश की राज्य विधानसभा ने गुरुवार को भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर को अंतरिक्ष में नौ महीने बिताने के बाद सुरक्षित लौटने पर बधाई दी. सुनीता विलियम्स तथा सभी अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी को लेकर पूरे विश्व में जबर्दस्त उत्साह वाली स्थिति है. सर्वत्र अंतरिक्ष यात्रियों की सफल यात्रा की सराहना हो रही है.

महाकुंभ में बेहतरीन काम का मिला बेहतरीन अवार्ड

दो आईपीएस अधिकारियों को मिला प्रमोशन

लखनऊ - उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ईमानदार और साफ छवि के अधिकारियों को बड़ी-बड़ी जिम्मेदारी दे रहे हैं. वहीं भ्रष्टाचार में लिप्त बड़े से बड़े अफसर के खिलाफ नजीर पेश करने वाली कार्रवाई भी कर रहे हैं. आईएएस अभिषेक प्रकाश के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करके सीएम योगी ने ये साफ संदेश दे भी दिया है. वहीं होली के बाद से प्रदेश में तबादलों का सिलसिला जारी है.

बीते कुछ दिनों में आईएएस से लेकर पीसीएस और आईपीएस से के लेकर पीपीएस अधिकारियों का तबादला हो चुका है. इसी क्रम में बीतीरात को एक बार फिर आईपीएस

अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया गया है. महाकुंभ में एसएसपी कुंभ मेला की जिम्मेदारी संभालने वाले राजेश द्विवेदी को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है. इतना ही नहीं, तबादले से पहले राजेश द्विवेदी को महाकुंभ मेला प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है. उन्हें महाकुंभ मेला में सर्वोत्तम और अद्वितीय कार्य के लिए ससम्मानित किया गया है. इसकी सराहना के साथ उत्साह व्याप्त है.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 10वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

टूटा हुआ दिल जुड़ने का नाम नहीं लेता है

किसी समय हिंदुत्व की आवाज को बुलंद करने वाले राजनीतिक दल के रूप में भाजपा-शिवसेना का जिक्र किया जाता था. लेकिन सत्ता की लालच के कारण पैदा हुआ मतभेद जहां शिवसेना के पतन का कारण बन गया, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा भविष्य में भी शिवसेना उबाठा के साथ किसी तरह का गठबंधन करने से इंकार ने यह बात साबित किया है कि दिल में अगर एक बार दरार पड़ जाती है तो कभी भरी नहीं जा सकती है. दोनों मित्रों की मित्रता का उदाहरण दिया जाता था लेकिन आज राज्य में दोनों की राहें अलग-अलग हो गई हैं. महाराष्ट्र की राजनीति में किसी समय गहरे मित्र रहने वाले शिवसेना एवं भाजपा के बीच मतभेद के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में उद्धव ठाकरे के साथ किसी भी तरह का गठबंधन होने का सवाल ही पैदा नहीं होता. पिछले कुछ दिनों से देवेंद्र फडणवीस तथा उद्धव ठाकरे के बीच मुलाकात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही थी. इन चर्चाओं को विराम देते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उद्धव बालासाहेब ठाकरे के साथ भविष्य में कोई गठबंधन नहीं होगा. मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया यह बयान कई मामलों में जहां संभ्रम मिटाने वाला है वहीं दूसरी ओर राजनीति में सुबह बोलने वाले राजनेता रात के रात जब किसी दूसरी पार्टी में चले जाते हैं तो ऐसे दौर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान कितना गंभीरता से लिया जाए यह भी सोचने लायक विषय है. एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 2019 में शिवसेना के साथ चुनाव लड़ा था लेकिन उन्होंने हमारा साथ छोड़कर कांग्रेस और राकांपा के साथ मिलकर सरकार बना ली थी. अब उद्धव ठाकरे के साथ भविष्य में किसी भी तरह का गठबंधन नहीं होगा.

भाजपा नेता कि वर्ष 2014 के बाद से 2019 तक दोनों ही दलों भाजपा और शिवसेना में एक अच्छा तालमेल देखने को मिला था लेकिन जब भाजपा ने 2019 के विधानसभा चुनाव में 105 सीटें जीती तो उन्हें लगा कि हम उनके बगैर सरकार नहीं बना सकते. कहते हैं कभी किसी के मजबूरी का फायदा नहीं लेना चाहिए. अगर कोई डर रहा है तो उसे अगर बार-बार डरने का प्रयास किया जाए तो निश्चित तौर पर एक उग्र प्रतिक्रिया तैयार हो जाती है और वह फिर अपने मुताबिक रास्ता निकालने का प्रयास करता है. सवाल यह है कि मतभेद जब मनभेद के रूप में उभरते हैं तो निश्चित तौर पर इसका बेकार असर पड़ता है. संबंध बनाने में जिंदगी खप जाती है लेकिन बिगाडने में एक पल काफी है.

असंभव में ही छिपा होता है संभव

सुनीता विलियम्स यू आर रीअली ग्रेट....

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

जीवन में कुछ भी संभव नहीं होता है. असंभव शब्द में ही अ अगर निकाल लिया जाए तो निश्चित तौर पर संभव हो जाता है. सुनीता विलियम्स के साथ चार अंतरिक्ष यात्री बुधवार को संशोधन के बाद धरती पर सुरक्षित रूप से उतर आए हैं. उनके उतरने की जहां पूरे विश्व में खुशी है वहीं दूसरी ओर धरती पर लौट के बाद कुशलता का संकेत देती सुनीता विलियम्स के जोश को देखते हुए अबला नारी कितनी सबला हो गई है. आज महिलाओं ने स्वयं को कि कामयाबी की ऊंचाई पर पहुंचा दिया है इसका आदर्श उदाहरण सुनीता विलियम्स को कहा जा सकता है. जमीन के अलावा अंतरिक्ष में इतने दिनों तक रहना कोई आसान बात नहीं होती है. सुनीता विलियम्स 286 दिनों तक अंतरिक्ष में रहने का असर यह पद की धरती पर उतरने के बाद भी उन्हें पूरे 45 दिनों तक डॉक्टर की निगरानी में रहना पड़ेगा. अंतरिक्ष में शून्य गुरूत्वाकर्षण के कारण इंसान की मांसपेशियां कमजोर होने लगते हैं स्पेस स्टेशन पर ट्रेड मिल या साइकिल पर रोज 2 घंटे व्यायाम करना पड़ता है. अंतरिक्ष में रहने के दौरान दिल सिकुड़ना शुरू हो जाता है और ब्लड प्रेशर कम होने लगता है. अंतरिक्ष में रहते समय पर कमजोर होने के साथ ही नजर भी कमजोर होने लगती है. इतनी चुनौतियों के बाद भी अंतरिक्ष से उतरने के बाद जिस तरह से सुनीता विलियम्स जोश और उत्साह से भरी थी वह किसी भी व्यक्ति के लिए प्रेरणादाई से काम नहीं हो सकता है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका अभिनंदन करते हुए कहा कि अंतरिक्ष अन्वेषण में सुनीता विलियम्स की विशेषज्ञ और अनुभव का लाभ भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी लेने की इच्छुक है क्र मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया है कि अगर व्यक्ति में कुछ करने का जज्बा हो तो स्थितियां चाहे कैसी भी हो उन स्थितियों को पलटने की ताकत केवल और केवल इंसान में होती है. सुनीता विलियम्स जिस समय अंतरिक्ष से धरती पर उतरी उनके पैरों में पैदल चलने की भी ताकत नहीं थी अगले 45 दिन तक उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा जाएगा इसके बाद ही वह अपने परिवार से मिल सकेंगे. अंतरिक्ष में रवाना होने से पूर्व लगभग 2 महीने तक कठिन ट्रेनिंग दी जाती है और वहां किस तरह रहना है इसकी भी विस्तृत जानकारी दी जाती है शुरुआती दिनों में कई परेशानियां होती हैं खुद के बल पर चल नहीं पाते इसके लिए स्टेशन कराई जाती है मालिश की जाती है मांसपेशियों को मजबूत करने का प्रयास किया जाता है. कहते हैं कि मौत उन पर हावी होती है जिनके लिए जिंदगी सहज होती है. जिंदगी में बहुत कुछ करने का माद्दा जो लोग रखते हैं उनकी मदद प्रकृति अथवा भगवान सदेव करते हैं. अंतरिक्ष में इतने दिन रहने के कारण सुनीता विलियम्स का चेहरा कमजोर हो गया है और उनका वजन भी काफी हद तक घट गया है रेडिएशन के कारण कैंसर की संभावना अत्यधिक रहती है. अंतरिक्ष में दिमाग पर तनाव अत्यधिक बढ़ जाने के कारण नींद कम होने से तर्कशक्ति धीमी होती है. इसके कारण याददाश्त कमजोर हो जातीहै. सुनीता विलियम्स ऐसी वैज्ञानिक है जिन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन में 900 घंटे रिसर्च किया, इस दौरान उन्होंने डेढ़ सौ से अधिक प्रयोग किया स्पेस स्टेशन का रखरखाव किया हार्डवेयर बदले और कई विषयों पर गंभीरता से चिंतन और मनन किया जो विश्व के लिए फायदेमंद है. 286 दिनों के अंतरिक्ष में प्रवास के दौरान लगभग 18 करोड़ किलोमीटर से अधिक का सफर उन्होंने जहां किया वहीं 3 महीने ताजा फल सब्जी इसके बाद पिज़्ज़ा जैसे पैक्ड फूड के सहारे वह जिंदा रही सब्जियां खत्म होने के बाद नासा की लैब में तैयार पैक्ड फूड पिज़्ज़ा के सहारे उन्होंने यह दिन बीते पानी सूप के लिए 2000 लीटर पानी वाले टैंक से पानी का उपयोग उन्होंने अंतरिक्ष में 286 दोनों के अपने ठहराव के दौरान किया. उनकी हिम्मत निश्चित ही महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है.ज़ो जीवन में हार जाते हैं, उनके लिए यह प्रेरणा स्त्रोत हैं.

संस्कार, धार्मिकता,आत्मीयता से ओतप्रोत थीं गोमती गुरूस्वामीजी अय्यर

21वीं पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि

जीवन में संस्कारित महिलाएं ही परिवार तथा समाज एवं देश का गहना होती है. बचपन से ही बच्चों को आदर्श संस्कार देने वाली गोमती गुरूस्वामी अय्यर ऐसी महिला थी जिन्होंने अपने बच्चों को जहां संघर्षों से जूझते हुए पाला पोसा वहीं दूसरी ओर जिस तरह का आदर्श संस्कार दिया, वही कारण है कि दोनों भाई और बहन आज न केवल समाज के लिए आदर्श व्यक्ति बने हैं बल्कि जिस क्षेत्र में भी हैं नाम कमा रहे हैं. गोमती अय्यर का जन्म 8 मार्च को हुआ था. उनका स्वर्गवास 23 मार्च 2004 को हुआ. पुत्र गणेश अयर बताते हैं कि बचपन में मां हम सभी को साथ में लेकर घर के मंदिर में बैठी थी और प्रभु के अलावा प्रेरणादायक व्यक्तियों का चरित्र बताती थी. मणि अय्यर जहां स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के सेवानिवृत्ति वरिष्ठ अधिकारी हुए हैं, वहीं गणेश अय्यर ने रतन टाटा ग्रुप के होटल ताज में कई वर्ष तक सेवाएं दी है. बहू के रूप में महाराष्ट्र की प्रथम दिव्यांग प्राचार्य गौरी अय्यर बताती हैं कि उनकी सास उनके लिए सास की बजाय मां की भूमिका अधिक निभाती थी. यही कारण है कि किसी सास और बहू में जितना बेहतरीन समन्वय नहीं रहता है, उससे कई गुना बेहतरीन समन्वय उनका उनकी सास के साथ रहता था.

दोनों बेटों के अलावा बेटी मीणा आज भी हिंदू मंदिरों के खिलाफ अकेले सरकार से संघर्ष कर रही है. पांच मंदिरों की मैनेजिंग ट्रस्टी के रूप में जहां इन मंदिरों का जीर्णोद्धार और यहां की बेहतरीन व्यवस्था संभाल रही हैं, वहीं दूसरी ओर मीना दीदी का कार्य भी सराहनीय है. उनके इसी कार्य को ध्यान में रखते हुए अभी तक कि उन्हें अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है. बेटा-बेटी अपनी कामयाबी का श्रेय मां गोमती गुरु स्वामी अय्यर को देते हैं. आज वह भले ही दुनिया में नहीं है लेकिन मां के आदर्श विचार से पूरी तरह से परिवार चल रहा है. विभिन्न क्षेत्रों में नाम कमा रहा है. 23 मार्च को उनकी पुण्यतिथि पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की विनम्र श्रद्धांजलि. प्रभु उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें उनके चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

डॉ.कमल ताई गवई सचमुच ग्रेट....

अमरावती जिले की शान लेडी गवर्नर डॉ.कमल ताई गवई, प्राचार्य डॉ. शोभा ताई रोकड़े के निवास पर पहुंचकर उन्हें विदर्भ स्वाभिमान-आनंद आदर्श महिला पुरस्कार देकर गुरुवार 20 मार्च को सम्मानित किया गया. इस मौके पर समाज सेवी डॉ गोविंद कासट, भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय ट्रस्टी और आनंद परिवार के सुदर्शन गांगजी, आईएएस अकादमी के संचालक डॉ. नरेशचंद्र काठोड़े, विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे, ओम हातगांवकर, निलेश भाऊ सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. डॉ कमल ताई की आत्मीयता ने सभी को भाव विभोर कर दिया. यही अनुभव डा. शोभा ताई रोकड़े के यहां भी आया. डॉ.कमलताई गवई की विनम्रता ही उन्हें सचमुच महान बनाती है.

गौड ब्रह्मण महिला समिति का रजत महोत्सव 28 मार्च को

अंबानगरी में साकार होगा मारवाड ,भव्य सामूहिक बिंदोरा

विदर्भ स्वाभिमान,19 मार्च

अमरावती- गौड ब्रह्मण महिला समिति द्बारा सामूहिक बिंदोरे के रजत जयंती महोत्सव उपलक्ष्य नये आयाम देते हुए अंबा माता की आरती और गौमाता की सेवा सहित समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सत्कार रखा गया है. तीन दिवसीय उत्सव 26 मार्च से प्रारंभ होगा. उल्लेखनीय है कि गणगौर के बिंदोरा होली पश्चात होते हैं. इस बार गणगौर तृतीय आगामी 31 मार्च सोमवार को है.

गौड ब्रह्मण महिला समिति का सामूहिक बिंदोरा अमरावती की सांस्कृति थाती बन गया है. यह भी स्मरण करा दे कि गौड ब्रह्मण सभा अंतर्गत युवक मंडल, युवती मंडल, सलाहकार समिति सभी इस आयोजन में सहयोग करते आ रहे हैं. 24 वर्ष हो चुके हैं. इस बार 25 वां अर्थात रजत जयंती वर्ष हैं. 28 मार्च को शाम 5 बजे घंटाघर हनुमान मंदिर प्रभात चौक से भव्य बिंदोरा प्रारंभ होगा. भव्य झांकियों द्बारा बिंदोरा सज्जित रहेगा.

नृत्य नाटिका मुख्य आकर्षण

समिति की सीमा चौबे, तारा जोशी ने बताया कि इस बार नृत्य नाटिका बिंदोरे का मुख्य आकर्षण है. सभी से राजस्थानी पारंपरिक परिधान में आने का अनुरोध करते हुए समिति ने बताया कि नाटिका की प्रस्तुति तीन स्थानों पर की जायेगी. यह भी बताया कि पारंपरिक राजस्थानी परिधान से परिपूर्ण महिला व युवतियों के लिए स्पर्धा रखी गई है. उसी प्रकार गणगौर सजावट की भी स्पर्धा रखी गई है.

26 मार्च को जगत जननी की आरती- रजत महोत्सव का प्रथम दिवस अर्थात 26 मार्च को जगत जननी मां अंबा की भव्य आरती की जायेगी. उपरांत गौरक्षण में गौ माता की सेवा होगी. अगले दिन 27 मार्च को समाज की वरिष्ठ 75 वर्ष से अधिक आयु की मातृ शक्ति का सम्मान होगा. 28 मार्च को घंटाघर हनुमान मंदिर से भव्य बिंदोरा निकलेगा. नगर के प्रमुख मार्ग पर राजस्थानी छटा बिखेरते बिंदोरा सक्करसाथ छत्रपुरी बालाजी मंदिर में परिपूर्ण होगा. समिति की मनीषा दीक्षित, सरोज पुरोहित, सीमा चौबे, रंजना महर्षि, मीना चौबे, रेखा शर्मा, तारा जोशी, पुष्पा मानका, सुषमा शर्मा, लोकेश्वरी शर्मा, शमा तिवारी, रंजना मानका, भाग्यश्री टोलीवाल, अलका शर्मा, मंजू तिवारी, उमा शर्मा और समस्त सदस्यों समिति सदस्यों ने राजस्थानी समाज की महिलाओं से

विदर्भ स्वाभिमान

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

रंगों में सजी सामाजिक एकता की अनपम छटा

श्री सरयूपारीण ब्रह्मण युवा परिषद द्वारा भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन

विदर्भ स्वाभिमान,19 मार्च

अमरावती - रंगों के त्योहार होली को आत्मीयता, सौहार्द और उल्लास के साथ मनाने के उद्देश्य से श्री सरयूपारीण ब्रह्मण युवा परिषद, अमरावती द्वारा होली मिलन समारोह - 2025 का भव्य आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का मुख्य विषय होली के रंग अपनों के संग था, जिसमें समाज के सभी वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं व पुरुषों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया.

समारोह की शुरूआत भगवान परशुरामजी के पवित्र पूजन एवं माल्यार्पण के साथ हुई. इसके पश्चात मंच पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों का पारंपरिक रूप से पुष्पगुच्छ देकर सम्मान एवं सत्कार किया गया. इस अवसर पर अभिषेक तिवारी ने समारोह की प्रस्तावना रखते हुए होली मिलन के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला.समारोह के दौरान डॉ. मनीष दुबे के नेतृत्व में फिश पोंड, मनोरंजक खेलों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कुर्सी दौड़ एवं अन्य खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया, जिससे उत्साह और उमंग की अनूठी झलक देखने को मिली.

भव्य एवं दिव्य फूलों की होली बनी मख्य आकर्षण-समाजजनों के लिए विशेष रूप से आयोजित फूलों की होली इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण रही. रंग-बिरंगे पष्पों से सजी इस अनोखी होली ने पारंपरिक उत्सव में एक नई ऊर्जा का संचार किया. गौरतलब है कि दो बेटियां राधाकृष्ण के रूप में सजकर आई थी उन्होंने पहले अटखेलियों से भरपूर नृत्य प्रस्तुत किया तदपश्चात राधाकृष्ण की जोड़ी को फूलों से धक दिया गया और फाग गीत गाते हुए उपस्थित जनसमुदाय की ओर पुष्पवर्षा कर फूलों की होली खेली. गुलाल की होली और डीजे पर झूमे समाजजनफूलों की होली के पश्चात पारंपरिक गुलाल होली खेली गई, जिसमें समाज के सभी लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएँ दीं. इसके बाद डीजे की शानदार धुनों पर सभी ने जमकर नृत्य किया और आनंद लिया.स्वादिष्ट भोजन के साथ हुआ आयोजन का समापनरंगों और उत्साह से सराबोर इस भव्य आयोजन का समापन पारंपरिक एवं स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ हुआ. समाजजनों ने एक-दूसरे के साथ होली की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया और समाज की एकता एवं भाईचारे की भावना को और मजबूत किया. इस समारोह में श्री सरयूपारीण ब्रह्मण सभा, अमरावती के अध्यक्ष डॉ. सतीश तिवारी, कार्याध्यक्ष आनंद मिश्रा, उपाध्यक्ष रूपेश तिवारी, सचिव डॉ. मनीष दुबे, सहसचिव राजेंद्र पांडेय, कार्यकारी सदस्य शैलेंद्र मिश्रा, श्री सरयूपारीण ब्रह्मण महिला मंडल की अध्यक्षा कृष्णा शुक्ला, महासचिव शर्मीला मिश्रा, सचिव वीणा मिश्रा, सहसचिव स्वाति त्रिपाठी, जनसंपर्क प्रमख निशा दुबे, सोशल मीडिया प्रमुख प्रीति तिवारी, सलाहकार डॉ. ऊषा तिवारी, मंगला शुक्ला, शीला तिवारी, कार्यकारी सदस्य शोभा मिश्रा, निशा मिश्रा, नमिता तिवारी, मनीषा उपाध्याय, निकिता तिवारी, काजल तिवारी, श्री सरयूपारीण ब्रह्मण युवा परिषद के अध्यक्ष अवधेश मिश्रा, कार्याध्यक्ष हिमांशु तिवारी, उपाध्यक्ष सूरज मिश्रा, प्रोजेक्ट हेड एवं उपाध्यक्ष विशाल तिवारी, महासचिव विकास पांडेय, सचिव अभिषेक तिवारी, मनीष त्रिपाठी, कृष्णा तिवारी, कोषाध्यक्ष मनोज मिश्रा, सहकोषाध्यक्ष सौरभ तिवारी, अभिषेक तिवारी, रोहित तिवारी, सहसचिव यश द्विवेदी, अंकित तिवारी, नितेश तिवारी, आलोक तिवारी, कार्यकारी सदस्य सौरभ मिश्रा, रोशन शुक्ला, अमित मिश्रा, नीरज मिश्रा, हर्ष मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही.सभी ने मिलकर होली के रंगों को पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों की मजबूती का प्रतीक बनाया और इसे यादगार बना दिया. इस तरह श्री सरयूपारीण ब्रह्मण समाज द्वारा आयोजित यह होली मिलन समारोह सिर्फ रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता को प्रोत्साहित करने का एक प्रेरणादायक अवसर बना.

पुण्यस्थल है वेंकटाद्रि के विविध नाम

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-8, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. प्रथम किश्त यहां दे रहे हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण www.vidarbhswabhiman.com शेष अगले अंक में

पिछले अंक से आगे-सूत महर्षि की बातें सुनकर मुनियों ने सूत से आगे पूछा-हे सूत! शेषाद्रि क्रीडाद्रि वेंकटगिरि आदि ये तीन नाम एक ही पहाड़ को कब क्यों दिये गए. इसके क्या कारण हैं. कृपया हमें बताइए. मुनियों की इस जिज्ञासा का समाधान करते हुए सूत ने इस रूप में कहा-है मुनिगण! ये तीन ही नाम नहीं हैं. बल्कि धरती पर शेषगिरि के लिए निमित्त के अनुसार अलग-अलग नामकरण किये गये हैं. इसलिए वे सारे वृतांत मुझे प्राप्त ज्ञान और समाचार के अनुसार मैं बताऊँगा.कृपया सुनिए सूत मुनि ने आगे उन्हें इस रूप में बताया.

चिंतामणी-जन-जन की चिंताओं को तथा उनकी मनौतियों को असीमित रूप से पूरा करते रहने से इस श्रीगिरि को चिंतामणी कहा गया है.मनुष्य मात्र के मन में उत्पन्न होनेवाली इच्छाओं की पूर्ति यह पर्वत करता है. इसलिए इसे चिंतामणी कहा गया है.

ज्ञानाद्रि-ज्ञान से ही जन-जन सब कुछ प्राप्त करते हैं. इसलिए सबके मूलाधार ज्ञान प्रदान करनेवाला पर्वत होने के कारण इसका नाम धरती पर ज्ञानाद्रि रखा गया है.

तीर्थाचल-जन-जनों की कामनाओं को तथा धनादि को प्रदान करनेवाले अनेक तीर्थ इस पर्वत पर रहने के कारण यह पर्वत तीर्थाचल रूप में प्रसिध्द हुआ है.

पुष्कर शैल- निष्काम से तप करनेवाले मुनियों को पर्याप्त जल प्रदान करनेवाले पुष्करिणियों के होने से धरती पर इस पर्वत का नाम का पुष्कर शैल पड़ गया.

वृषभाद्रि-पूर्व यहाँ पर वृषभासुर नामक मुनि-कंटक राक्षस रहा करता था . उसने इस पर्वत पर तप किया था. इसलिए अवनि में इसका नाम वृषभाद्रि पड़ गया.

कनकाचल-मनुष्यों को अति सरल रूप में पहचानयुक्त इसके शिखर कनक वर्ण में कांतिमय दीखते हैं. इसलिए अवनि में इसका नाम कनकाचल पड़ा है.

नारायणाद्रि-पूर्व में नारायण नामक एक ब्राह्मण ने यहाँ तप किया था .इससे हरि संतुष्ट हुए. दर्शन भी दिये . उस बाह्मण के नाम से इसका नाम नारायणाद्रि पड़ गया.

श्री वैकुंठाद्रि-वैकुंठ में रहनेवाले क्रीडाचल को पक्षेंद्र के व्दारा लाये जाने के कारण इसका नाम श्री वैकुंठाद्रि पड़ गया .

नरसिंह गिरींद्र-नारायण के हिरण्याक्ष का संहार करके अपने भक्त प्रह्लाद का उध्दार करने का स्थल होने के कारण इसका नाम नरसिंह गिरींद्र पड़ गया.

अंजनाद्रि-संतान के लिए अंजनी देवी ने इस पर्वत पर तप किया .हनुमान को वर -पुत्र के रूप में प्राप्त किया. तब देवताओं ने अत्यंत प्रसन्न होकर इस पर्वत को अंजनाद्रि नाम दिया.

वराहाद्रि-पूर्व में यहाँ पर वराह समूह रहा करता था. श्रीहरि के वराहावतार धारण करने के बाद यही स्थल उन्हें अच्छा लगा. तबसे इसका नाम वराहाद्रि पड़ गया.

नीलाद्रि या नीलगिरींद्र-नील नामक एक मुनि पहले इस पर्वत पर निवास करते थे उन्हीं के नाम से इसका नाम अवनी में नीलाद्रि या नीलगिरींद्र पड़ गया.

श्रीनिवास पर्वत-श्री के लिए वास स्थल बनकर ,भूलोक में मनुष्यों के उध्दार के लिए हरि यहाँ पर श्रीनिवास के रूप में बसे .इसलिए अवनि में इस पर्वत का नाम श्रीनिवास पर्वत पड़ा है.

आनंदाचल-लक्ष्मी को ह्दय पर धारण करके जन-जन को संपदाएँ देते हुए श्री नारायण आनंद से रहनेवाले इस पर्वत को आनंदाचल कहा गया है.स्वामी के मंदिर के मुख्यालय को आनंदनिलय भी कहा जाता है.

श्री सद्गिरि-श्री के साथ श्री हरि वैभवपूर्ण रूप से इस पर्वत पर वास करने के कारण अवनि में इसका नाम श्री सद्गिरि पड़ा है.सभी पहाडों का भी अपना बेहतरीन महत्व है. यही कारण है कि यह पुण्यस्थल हो गया है.

शेष अगले अंक में

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विना एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें.

छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर

9423426199,

8855019189

अर्हम ग्रुप द्वितीय 'अर्हम जल मंदिर' का लोकार्पण

राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज साहेब की प्रेरणा, मानवसेवा तथा जीवदया के सेवा कार्यों में समर्पण है सराहनीय

विदर्भ स्वाभिमान, 19 मार्च

अमरावती- परमात्मा की असीम कृपा से राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज साहेब की प्रेरणा से अर्हम युवा सेवा ग्रुप द्वारा आज गुरुवार दिनांक 20.03.2025 को कड़ी धूप में नागरिकों की शीतल जल से प्यास बुझाने हेतु शिलांगण रोड स्थित श्री मनीष भाई कोठारी के प्रतिष्ठान धन्वंतरी प्रोव्हीजन के प्रांगण में 'अर्हम जल मंदिर' का शुभारंभ किया गया.

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ,बडनेरा रोड अमरावती के वर्तमान अध्यक्ष आदरणीय श्री अमृतजी मुथा एवं श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ अंबापेठ के वर्तमान अध्यक्ष आदरणीय श्री बिपिन भाई कोठारी एवं दोनों श्री संघ के सचिव श्री कल्पेश भाई देसाई, श्री धर्मेंद्रजी मुणोत एवं पन्नालालजी ओस्तवाल,संजयजी मुणोत ,गिरीशजी मरलेचा ,महेंद्रजी गुगलिया आदि कार्यकारिणी सदस्यों की प्रमुख उपस्थिति में एवं श्री मनीषभाई कोठारी, विशालजी कुलकर्णी,माताजी विजयालक्ष्मी कुलकर्णी, कैलासजी कोठारी,प्रभाग क्रमांक 13 की भूतपूर्व नगरसेविका स्वाति ताई कुलकर्णी,

श्रुतिजी कोठारी आदि मान्यवरों ने

अपनी प्रमुख उपस्थिति में सर्वप्रथम परमात्मा व परम गुरुदेव के श्री चरणों में भाव वंदन प्रेषित करते हुए नमस्कार महामंत्र, महाप्रभावक श्री उवसग्गहरं स्तोत्र,अर्हम स्मरण के साथ विश्व के सभी जीवों का शुभ हो,मंगल हो,कल्याण हो की शुभ भावना प्रसारित की पश्चात श्री संघ अध्यक्ष श्री अमृतभाई मुथा द्वारा मंगलपाठ श्रवण कराते हुए सभी मान्यवरों ने अपने करकमलों से रिबन खोलते हुए अर्हम जल मंदिर का लोकार्पण किया. सभी बहनों द्वारा स्वस्तिक व तिलक विधि संपन्न होने के बाद श्री मनीष भाई कोठारी द्वारा पेड़े का प्रसाद अर्पण कर सबका मुंह मीठा कराया गया.

अर्हम जल मंदिर के संचालन की पूर्णतः जिम्मेदारी लेने वाले श्री मनीष भाई कोठारी परिवार की दोनों श्री संघ के उपस्थित मान्यवरों व अर्हम सेवकों द्वारा अनुमोदना की गई.

मानव कल्याण के इस महा प्रकल्प को अर्हम सेवक निमिष भाई संघाणी, निमिष भाई दामाणी, उमा दीदी कोडिया व डॉ. दीपिका दीदी दामाणी आदि ने मिलकर सफल बनाया.अर्हम ग्रुप द्वारा मानवता तथा सेवाभाव के लिए होने वाली पहल का अभिनंदन.

खुशियों की भंडार होती है जीवनसंगिनी

25 वीं शादी की सालगिरह पर विशेष

जीवन में जितन पल खुशियों के मिल सकें, हर व्यक्ति को लेने का प्रयास करना चाहिए. खुशियों का भंडार हमारे माता-पिता के बाद दूसरा और कोई रहता है तो वह है सात फेरे लेने वाली जीवनसंगिनी. समय के साथ कुछ विवाद हो सकता है. लेकिन मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरी पत्नी का अल्हड़पन, बच्चों जैसा जिद्दी स्वभाव लेकिन इसके बाद भी हर सुख, हर दुःख में साथ खड़े रहने और निःस्वार्थ भाव से प्रेम न्यौछावर करने वाला और जीवन में किसी को भी दुःखी नहीं करने वाली सोच के कारण ही यह लेख लिखने के लिए मजबूर हुआ हूं. जीवन में शादी को लेकर लोगों की सोच होती है जो खाए वह भी पछताए और जो न खाए वह भी पछताए. लेकिन मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे कभी भी इसका पता नहीं चला. गरीबी के दिनों से लेकर परिवार की स्थिति सुधरने और आज जीवन कहीं न कहीं स्थिर होने तक के सफर में सौ. वीणा ने जिस तरह से साथ दिया, जिस तरह से कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही और बिना किसी तरह के प्रपंच अथवा स्वार्थ के परिवार के लिए भी खड़ी रही, वह निश्चित तौर पर मेरे जीवन का सुनहरा पल है. 20 मार्च का वह दिन मैं शायद ही कभी भूल सकूं, जिस दिन पत्रकारिता में मेरे गुरू और प्रतिदिन अखबार के संपादक नानक आहूजा और भाभी पूनम आहूजा की उपस्थिती में कोर्ट मैरेज हुआ और 21 मार्च को बाकायदा संस्कारों के साथ विवाह हुआ. तब से लेकर आज तक भी आहूजा परिवार विशेष रूप से नानकभैया के बारे में सदैव सम्मान ही रहा है. प्रभु करें, यह सम्मान सदैव बढ़ता ही रहे. स्वार्थ वाले जमाने में बहुत कम रिश्ते ऐसे होते हैं. जो सदैव याद रहते हैं. सौ. वीणा ने हर स्थिति में जहां साथ दिया, वहीं कहते हैं कि व्यक्ति की प्रगति में गृहलक्ष्मी की भूमिका होती है. आज भी नोंक-झोंक होती है, एक दिन बात नहीं करते हैं लेकिन दूसरे दिन वही प्रेम, वहीं अपनापन रहता है. प्रेम तो त्याग का नाम है, सौ. वीणा ने इसका सदैव तथा हर मोड़ पर परिचय कराया है. शादी के 25 साल हुए हैं, ऐसा मुझे कभी लगता ही नहीं है. मुझे लगता है जैसे वह कल ही मेरी जिंदगी को संवारने और खुशियों से सराबोर करने के लिए आयी है.आज दोनों बेटियां भी हमारी खुशियों को बढ़ा रही हैं. सौभाग्यशाली हूं मित्र परिवार भी जो जीवन में मिले,जब तक साथ रहे, खुशियों का माध्यम बने. प्रभु से यही कामना है कि बगैर स्वार्थ खुशियां बांटने का काम सदैव करते रहूं.

सेवाभावी नेता हैं पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटिल

शिवसेना उद्धव की मजबूती के साथ ही जनसमस्याओं का गहरा अध्ययन, रहते हैं सेवा में भी समर्पित

शिवसेना के वरिष्ठ नेता और जमीन से जुड़े व्यक्ती के रूप में सुख्यात बडनेरा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और उद्धव शिवसेना के समर्पित नेता और पार्टी मजबूती के लिए दिन-रात एक करने वाले ज्ञानेश्वर धाने पाटिलजितने बेहतरीन नेता हैं, उससे भी अधिक बेहतरीन इन्सान हैं, जो जनता के साथ ही पार्टी की मजबूती के लिए निष्ठा के साथ समर्पित रूप से प्रयासरत रहते हैं. नांदगांव खंडेश्वर में पार्टी मजबूती के साथ सेवाभाव में अग्रणी हैं.

प्रतिनिधि, 8 मार्च

अमरावती- शिवसेना के समर्पित कार्यकर्ता से लेकर पदाधिकारी, विधायक के दौरान करोड़ों रूपए के विकास काम करने वाले पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटिल पार्टी के निष्ठावान और समर्पित नेता हैं. उनका कहना है कि पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है, आज अगर पार्टी किसी कारण से मुसीबत में है तो मां समान पार्टी की मजबूती के लिए वे जान की बाजी लगा देंगे. शिवसेना उद्धव गुट के नेता के रूप में आज पार्टी को मजबूती की दहलीज पर पहुंचाने के लिए जहां वे प्रयासरत हैं, वहीं दूसरी ओर समर्पित नेता के रूप में उनकी ख्याति है.

गरीबी के संघर्षों को करीब से देखने के कारण लोगों के प्रति धाने पाटिल को अपार प्रेम रहता है. विशेष रूप से गरीबों, जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव जहां तत्पर रहते हैं, वहीं दूसरी ओर वे इस बात का ध्यान रखते हैं कि पार्टी का कोई कार्यकर्ता कभी निराश नहीं रहे. यही कारण है कि हजारों कार्यकर्ता उन्हें बड़े भाई जैसा सम्मान देते हैं. विधायक रहते हुए करोड़ों रूपए के विकास काम करने वाले धाने पाटिल का कहना है कि वे सदैव पार्टी मजबूती के लिए समर्पित रूप से काम करते हैं. शिवसेना के जिला समन्वयक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर काम करने वाले सर्वगुण सम्पन्न नेता के साथ ही विकास का विजन रखने वाले पूव विधायक हैं. उनका विकास का विजन जहां सराहनीय होता है, वहीं बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखते हैं. उद्धव ठाकरे के कदम से कदम से कदम मिलाने तथा बालासाहब ठाकरे के विचारों को लोगों में भरने के साथ ही कार्यकर्त्ताओं को अपार सम्मान जहां देते हैं, वहीं इसके कारण ही उनकी लोकप्रियता अपार है. अपार लोकप्रिय हैं. जिले की विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए जहां प्रशासन से प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर किसानों को मदद दिलाने के लिए भी लगातार प्रयासरत हैं. नांदगांव खंडेश्वर में किसानों की समस्या के लिए आंदोलन करने के साथ ही कई आंदोलन वे कर रहे हैं. एक ओर जनता की समस्या के निराकरण का प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पार्टी की मजबूती और आगामी चुनावों में शानदार सफलता दिलाने के लिए उनका प्रयास है. पिछले कई वर्ष से जिस तरह से वे शिवसेना की मजबूती के लिए प्रयास कर रहे हैं, उसकी सराहना सभी द्वारा की जा रही है. उनके मुताबिक शिवसेना हिंदुत्व के साथ ही जनता की सेवा तथा समस्याओं को हल करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास करने वाली पार्टी है. पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे, युवा नेता आदित्य ठाकरे का हाथ मजबूत करने के लिए सभी से एकजुट होने का आग्रह जहां वे कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिले में दबंग पूर्व विधायक के रूप में पार्टी मजबूती के लिए निरंतर प्रयासरत हैं. इसके साथ ही क्षेत्र में करोड़ों रूपए के विकास काम करने के लिए प्रयासरत रहते हैं. राजनीति की बजाय वे समाज कारण को अधिक महत्व देते हैं. उनका कहना है कि जनता ने सदैव उन्हें प्यार दिया है, आत्मीयता दिखाई है, ऐसे में उनका फर्ज सदैव जनता के विकास के बारे में सोचना है

सेवाभावना से हैं औतप्रोत

ज्ञानेश्वर धाने पाटिल क्षेत्र में लोकप्रीय नेता हैं. जो जनता के दुख-दर्द के लिए सदैव तत्पर रहते हें. यही कारण है कि हर जाति, हर धर्म के साथ ही लाखों लोगों का समूह उनके पास है. वे कहते हैं कि जितना बन पड़ता है, लोगों के हित में काम करने का प्रयास करते हैं. विधायक रहते समय तथा अभी भी करोड़ों रूपए के विकास काम करने के साथ ही उन्होंने पार्टी मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उनके मुताबिक शिवसेना ने उन्हें अपार लोकप्रियता, नेम, फेम सब कुछ दिया है, उसकी मजबूती और लोकप्रियता उनकी पहली प्राथमिकता है. वे कहते हैं कि जीवन में लोगों का अपार प्रेम उन्हें मिला है, यही कारण है कि लोगों के लिए सदैव कुछ करने का प्रयास करते हैं. वे कहते हैं कि लोगों का प्यार, वरिष्ठों का मार्गदर्शन और किसानों सहित गरीबों की दुवाओं के कारण ही वे आगे बढ़ रहे हैं. पार्टी को आगामी चुनावों में शानदार सफलता दिलाने को लेकर वे प्रयासरत हैं. शिवसेना फिर मजबूती का उनका दावा है.

सेवा की मिसाल है भक्तिधाम मंदिर, जलाराम सत्संग मंडल

अमरावती-शहर को धार्मिक नगरी के साथ ही सामाजिक कामों के लिए भी जाना जाता है. बडनेरा रोड स्थिति भक्तिधाम मंदिर तथा जलाराम सत्संग मंडल ने इसे आसमानी ऊंचाईयों पर पहुंचाया है. धार्मिकता के साथ ही सेवाभावना और समाजसेवा का ऐसा यज्ञ यहां पर 35 साल से हो रहा है. भोजनदान के तहत हर दिन रामरोटी के अलावा हर गुरूवार को होने वाला महाप्रसाद और इसका लाभ लेने वाले हजारों गरीब और जरूरतमंद तथा यहां होने वाले भजन के साथ ही भोजन की यह सराहनीय सेवा वर्षों से चल रहे है. अभिनंदनीय हैं जलाराम सत्संग मंडल के अध्यक्ष दिलीपभाई पोपट तथा उनका परिवार तथा समाज के वरिष्ठ मान्यवर. जिन्हें सेवा में ही आनंद आता है. कुल मिलाकर उनकी यह पहल जहां मानवता को बढ़ाने वाली है, वहीं अन्यों के लिए आदर्श से कम नहीं है. धार्मिक संस्थान के साथ ही मानवता की सेवा के मंदिर के रूप में मंडल के कामों को विदर्भ स्वाभिमान नमन करता है.

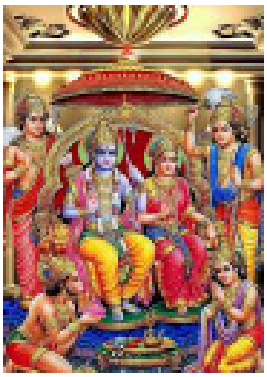

जीवन में सफलता मिलने के बाद आदमी अहंकारी हो जाता है. लेकिन शहर के चोटी के व्यवसायी तथा रघुवीर ग्रुप के संचालक दिलीपभाई पोपट इससे जुदा है. व्यवसाय के क्षेत्र में जहां उन्होंने सफलता के परचम गाड़े हैं, वहीं पिता स्व.मंगलजी भाई पोपट के आदर्श विचारों पर चलते हुए मानवता की अलख जगाने का कार्य कर रहे हैं. मानवता की सेवा को ही ईश्वर सेवा मानने वाले तथा संत जलाराम बाप्पा के अनन्य भक्त, जलाराम सत्संग मंडल के अध्यक्ष के रूप में भक्तिधाम मंदिर में मंडल द्वारा शुरू किए गए विभिन्न उपक्रमों तथा इसका लाभ लेते सैकड़ों जरूरतमंदों को देखकर निश्चित ही खुशी होती है. तमाम व्यस्तता के बाद भी दिलीपभाई सहपरिवार जिस तरह से इसमें योगदान देते हैं, उसका दर्शन वैसे तो यहां हर दिन होता है. लेकिन गुरूवार को 35 साल से चल रहा महाप्रसाद अनुकरणीय है.मंदिर में गत दिनों पूज्य ईश्वर शास्त्री की श्री सुंदरकांड कथा का कार्यक्रम शानदार हुआ. उच्चकोटि के विद्वान पंडितजी ने संस्कारों के साथ ही भक्ति का बेहतरीन विवेचन कर सभी का मन मोह लिया.

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

– संपर्क –
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती
मो. 9423426199, 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

मै ज़िंदगी का साथ
निभाता चला गया
हर फ़िक्र को धुएं में
उड़ाता चला गया
ग़म और ख़ुशी में फ़र्क़ न
महसूस हो जहां
मैं दिल को उस मक़ाम पे
लाता चला गया
जो मिल गया उसी को
मुक़द्दर समझ लिया
जो खो गया मैं उस को
भुलाता चला गया
बर्बादियों का सोग मनाना
फ़ुज़ूल था
बर्बादियों का जश्न
मनाता चला गया

सर्वगुण सम्पन्न,सेवाभावी व्यक्ति हैं डॉ. जयंत पांढरीकर

माता-पिता तथा देश के सैनिकों को देते हैं अपार सम्मान सामाजिक सेवा तथा वैद्यकीय सेवा में गरीबों से लगाव गांव में लेते हैं शिविर, सैकड़ों गरीबों को देते हैं लाभ

अमरावती - ज़ीवन में माता-पिता तथा हमारी सुरक्षा के लिए अपनी जिंदगी सदैव दांव पर लगाते हुए सीमा पर हमारी सुरक्षा करने वाले देश के सैनिकों को अपार सम्मानदेने के साथ मानवता की सेवा को ईश्वर सेवा मानने वाले डॉ. जयंत पांढरीकर न केवल अमरावती बल्कि राज्यस्तरीय बाल रोग विशेषज्ञ हैं. उनकी सम्पन्नता में भी विनम्रता वाली प्रवृत्ति जहां सभी को प्रभावित करती है, वहीं उनके सामाजिक और देश के सैनिकों के प्रति प्रेम को जितना सराहा जाए कम है. करने में अधिक और बताने में बिल्कुल भरोसा नहीं रखने वाले डॉ. जयंत पांढरीकर का कहना है कि हर व्यक्ति से जितना अच्छा बन सकता है, खुद के साथ ही देश तथा समाज के लिए करने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में मानवता की सेवा को सर्वो च्च सेवा मानते हुए हर साल अपने माता-पिता की याद में अपने गांव में भव्य रोग निदान तथा उपचार शिविर लेकर सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों को लाभान्वित करते हैं.

शहर ही नहीं तो राज्यस्तर के सुख्यात बालरोग विशेषज्ञ डॉ. जयंत पांढरीकर बहुगुणी व्यक्तित्व के धनी हैं. जहां वैद्यकीय सेवा में वे तत्पर रहते हैं और राज्य संगठन के पूर्व अध्यक्ष की जिम्मेदारी कोरोना महामारी के दौरान निभा चुके हैं, वहीं दूसरी ओर अंबादेवी ट्रस्ट के ट्रस्टी के साथ ही अनगिनत संगठनों के पदाधिकारी हैं. मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा मानने वाले डॉ. जयंत पांढरीकर का कहना रहता है कि हमसे जितना अच्छा बन सकता है, उतना अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए. निश्चित तौर पर अच्छाई की उर्जा ही हमारे जीवन को बदलने की ताकत रखती है.

कई दशकों की बेहतरीन प्रैक्टिस के साथ ही समाजसेवा में भी पांढरीकर दम्पति के साथ ही पूरा परिवार ही सदैव समर्पित रहता है. देश के फौजियों के प्रति उनके दिल में अपार सम्मान और स्नेह रहता है. वे कहते हैं कि वे बार्डर पर हैं, इसलिए हम सुकून की नींद सोते हैं. हर भारतीय का फर्ज होना चाहिए कि जब भी कोई फौजी उनके सामने दिखाई दे, उन्हें सम्मान दें और नतमस्तक होकर कृतज्ञता जताएं. 18 मार्च को सर का जन्मदिन था. हमारी उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, प्रभु श्रीराम और मां अंबादेवी के चरणों में यही कामना करते हैं.

संस्कारों की अत्याधिक जरूरत

संस्कारों के मामले में वे अत्याधिक संवेदनशील हैं. उनका कहना है कि संस्कार हमारी जड़ होते हैं, जिस तरह कोई पेड़ बिना जड़ के खड़ा नहीं हो सकता है, उसी तरह संस्कार का पतन पीढ़ियों का पतन होता है. इससे हमें पीढ़ी को बचाना होगा. उनके मुताबिक अपने क्षेत्र के माध्यम से समाज की भलाई करने का कार्य हर व्यक्ति को करना चाहिए. किये गए नेक कामों से मिलने वाला संतोष बेहतरीन रहता है. अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती है, इसको ध्यान में रखकर प्रयास करना चाहिए. बचपन से मिले संस्कार ही हमारा जीवन संवारते हैं, संस्कारों की जिम्मेदारी महिलाओं की होती है.

डॉ. जयंत पांढरीकर माता-पिता के भक्त हैं, उनका कहना है कि माता-पिता का जीवन में अत्याधिक महत्व रहता है. उनका जन्म 18 मार्च 1966 को हुआ. बचपन से ही वे मेधावी छात्र के रूप में गिने जाते थे. आरंभ से ही शिक्षा के मामले में गंभीर तथा मेधावी छात्र रहने के कारण शिक्षकों के भी लाड़ले थे. प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षा के बाद उन्होंने एमबीबीएस, पीजीडीएपी की डिग्री हासिल की. शहर ही नहीं तो राज्यस्तर के सुख्यात बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में पहचाने जाते हैं. सेवाभावना जहां सर में कूट-कूटकर भरी है, वहीं दूसरी ओर माता-पिता के अनन्य भक्त हैं. उनका मानना है कि प्रथम देव हमारे माता-पिता ही रहते हैं. जिन्होंने हमें दुनिया दिखाई है. इसलिए माता-पिता का सदैव सम्मान और उनकी इच्छाओं का पालन करने का प्रयास करना चाहिए.राजापेठ के पांढरीकर हास्पिटल के संचालक डॉ. जयंत पांढरीकर की जीवन संगिनी डॉ.सुमेधा पांढरीकर भी महिला रोग व प्रसूति विशेषज्ञ के साथ ही सेवाभावी समाजसेविका हैं.परिवार को सबसे बड़ी ताकत मानते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

दिलदार व्यक्ति, सुख्यात बालरोग विशेषज्ञ,
सेवाभावी कामों में अग्रणी रहने वाले

डॉ. जयंत पांढरीकर

सर को जन्मदिन की करोड़ों
मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक- डॉ.जयंत पांढरीकर मित्र परिवार,विदर्भ स्वाभिमान परिवार

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.
कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट,
साईज 40 बाय 25
9423426199
8855019189

गुरूवार 20 से 26 मार्च 2025

मेष

सप्ताह काफी आशादायी रहने वाला है. आप अपने काम पर ध्यान देना बेहतर रहेगा. सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ

यह सप्तह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

मिथुन

छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.

कर्क

स्पर्धा अच्छाई के लिए करने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ

समय बेहतरीन परिणाम देने वाला है. मित्रों का साथ मिलेगा और रूका हुआ कार्य पूरा होने में समय अनुकूल है. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. सभी को समझने का प्रयास करें.

मीन

भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे.

ज़ीवन में बहुत कम को मिलता है यह सम्मान

विदर्भ स्वाभिमान

आए हैं सो जाएंगे, राजा रंक फकीर
एक सिंहासन चढ़ी चले, एक बंधे जंजीर,

ज़ीवन में जिसने जन्म लिया है, उसे एक न एक दिन जाना ही पड़ता है. लेकिन जन्म लेने से लेकर दुनिया से विदाई लेते समय के बीच का जो समय मिलता है, उस समय का कौन कैसा उपयोग करता है, इस पर बहुत कुछ निर्भर होता है. जीवन में अनगिनत जिम्मेदारियों के साथही परिवार को सेवाभाव से ओतप्रोत करने वाले डॉ.रामगोपाल तापडिया लोगों के दिलों में किस तरह रहते थे, इसका अंदाजा उनकी अंतिम यात्रा के दौरान आया. बीते कई वर्षों से किसी डाक्टर की अंतिम यात्रा में शायद ही इतनी भीड़ हुई है. उनका मुस्कराता हुआ चेहरा जहां कोई भूल नहीं सकता है, वहीं दूसरी ओर अपने से पहले दूसरों के बारे में सोचने वाले व्यक्ति थे. डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल के साथ कई बार कार्यक्रम में मिलने का मौका मिलता था. सेवाभावी कामों में वे जहां सक्रिय रहते थे, वहीं किसी को भी सही मार्गदर्शन, सही रास्ता दिखाने की खूबी के कारण हजारों मित्र तैयार किए थे. बातों में गंभीरता के साथ अपनापन इतना था कि कभी भी किसी को गलत राय नहीं देते थे. प्रयागराज के महाकुंभ में जाने की इच्छा बताते हुए आखिरी मुलाकात में कभी मुझे सपने में भी नहीं लगा था कि सदैव हंसमुख, हर विषय का गहन ज्ञान रखने के साथ ही शहर,समाज तथा परिवार के साथ ही वेराष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत व्यक्ति थे. शहर में उस दिन हजारों लोगों की आंखों से आया आंसू यह बताने के लिए काफी है कि लोगों के दिलों में उनको लेकर कितना सम्मान था.

वैसे तो जीवन का आरंभ ही अंत से समाप्त होता है. इसलिए जीवन-मरण तो निश्चित ही. लेकिन उनके जैसे चुनिंदा लोग ही यह सम्मान प्राप्त करने के अधिकारी बन पाते हैं. जीवन में जब भी कभी किसी भी समस्या के लिए उनसे मुलाकात होती थी, बड़े भाई के जैसा प्रेम और अपनापन मिलता था. मां को किडनी स्टोन हो गया था, उम्रदराज होने के कारण दवाखाने जाना मुश्किल रहता था, ऐसे में उनके पास जाने के बाद हमेशा कहते कि घर पर आकर दवाई लेकर जाना. लेकिन आपके साथ बातचीत अच्छी लगती है इसलिए जब भी आना समय निकालकर आना. कई बार दवाईयों के बहाने दोनों के बीच चर्चाएं होती थी. जिस दिन हम पैदा होते हैं, उसी दिन हमारी विदाई की तारीख भी परमात्मा तय कर देते हैं. जन्म ले लेकर विदाई तक का कार्यकाल हमें मिलता है. इस दौरान हम जो करते हैं, उसका प्रतिसाद हमारे दुनिया से जाने के बाद भी होता है. आदर्श परिवार प्रमुख के रूप में जहां आदर्श पति,पिता,पुत्र की भूमिका निभाई, वहीं दूसरी ओर गरीब मरीजों के दिलों में जगह बनाने में सफल रहे. यह भाग्य बहुत कम लोगों को मिलता है. लेकिन सचमुच वे जीवन में भाग्यशाली थे. भावपूर्ण श्रद्धांजली.

जल है तो ही कल है, इसका महत्व समझना होगा

विश्व जल दिवस 22 मार्च पर विशेष, पानी का मोल पहचानना भी उसे जतन करने का माध्यम

अमरावती- जीवन में ज़ल का कितना महत्व होता है, यह कोई नहीं इंकार कर सकता है. लेकिन जिस तरह से मानव द्वारा स्वार्थ में प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की जा रही है, उसके चलते यह गंभीर समस्या भविष्य में मानव को परेशान कर सकती है. विश्व में कई देशों में जल की किल्लत लोगों

को त्रस्त कर रही है. जल है तो ही कल है, इसको ध्यान में रखते हुए सभी को अभी से सचेत होने तथा पानी के मोल को पहचानने का आग्रह शनिवार 22 मार्च को विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय ट्रस्टी सुदर्शन गांग ने किया. उनके मुताबिक जीवन में बिना पानी के सब सूना होता है. पानी की बचत भी पानी के भंडारण होता है. उन्होंने विश्व जल दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दी. साथ ही इसके जतन करने और इसमें योगदान देने का आग्रह किया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा
गर्मी के दिनों में गले को तर करना हो तो है न विदर्भ में सबसे बेहतरीन, गुणवत्तापूर्ण शीत पेयों का बादशाह...राजकमल चौक चलें

राजपुरोहित स्टुडियो
फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.
राजपुरोहित फोटो स्टुडियो
शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251